RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शुक्रवार 22 नवंबर 2024 वर्ष 06 अंक 223 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

# दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

**मुंबई : तीन लेयर में ईवीएम मशीन की सुरक्षा**

Page - 4

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

# फलौदी सट्टा बाजार के अनुमान ने सबको चौंकाया

# महाराष्ट्र में कौन जीतेगा...

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के लिए मतदान की प्रक्रिया खत्म हो चुकी है. अब बारी चुनाव परिणामों की है. 288 सीटों वाली महाराष्ट्र विधानसभा में किसे बहुमत मिलेगा यह तो 23 नवंबर को शाम तक साफ हो जाएगा, लेकिन नतीजों से पहले अटकलों का बाजार गर्म है. एग्जिट पोल के अलावा सट्टा बाजार भी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर अनुमान लगा रहा है. इसी कड़ी में फलौदी सट्टा बाजार के आंकड़े सामने आए हैं.

इन आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आ रही है. राज्य में बीजेपी को अकेले ही 90 से 95 सीटें मिल सकती है.

**शिवसेना शिंदे गुट को मिल सकती है करीब 40 सीट**

बीजेपी के बाद उसकी गठबंधन सहयोगी शिवसेना (शिंदे गुट) पार्टी को 36 से 40 सीटें मिल सकती हैं. महायुति गठबंधन में ही शामिल तीसरे दल एनसीपी (अजित गुट) 12 से 16 सीटों पर जीत दर्ज कर सकती है. फलौदी सट्टा बाजार की मानें तो महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन 142-151 सीटों पर जीत के साथ सरकार बनाती नजर आ रही है.

## बीकानेर सट्टा बाजार और महादेव ऑनलाइन सट्टा बाजार के आंकड़े...

**फलौदी सट्टा बाजार से अलग बीकानेर सट्टा बाजार और महादेव ऑनलाइन सट्टा बाजार ने भी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणामों पर कुछ अनुमान लगाया है. इसमें भी भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाले महायुति गठबंधन को बहुमत मिलने की बात है. कुल मिलाकर महायुति की सरकार बन रही है. इन दोनों सट्टा बाजार में ये भी कहा गया है कि महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच बहुत कम सीटों का अंतर होगा. इसके अलावा राज्य में निर्दलीय और छोटी पार्टियां भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी.**

## नतीजे आने से पहले ही एमवीए में

# कुर्सी की जंग !

## नाना पटोले - संजय राउत

# आमने-सामने...

**मुंबई :** महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के लिए बुधवार को मतदान हुआ। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। इसी दिन रिजल्ट आएंगे। चुनाव परिणाम आने से पहले ही विपक्षी दलों के गठबंधन MVA में सीएम की कुर्सी किसे मिलेगी इसको लेकर जंग शुरू हो गई है।

कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले और शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के बीच जुबानी जंग छिड़ी है। एग्जिट पोल में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को बहुमत मिलने की भविष्यवाणी के बाद पटोले ने पूरे विश्वास के साथ कहा, ''महाराष्ट्र में कांग्रेस के नेतृत्व में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार बनेगी।'' उनके बयान पर राउत ने तुरंत विरोध जताया। उन्होंने कांग्रेस द्वारा सरकार का नेतृत्व करने के विचार को खारिज कर दिया।

**कांग्रेस के शीर्ष नेता करें नेतृत्व का फैसला**

संजय राउत ने कहा, ''मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा और कोई भी इसे स्वीकार नहीं करेगा। हम साथ बैठकर नेतृत्व की बात तय करेंगे।'' राउत ने बताया कि नेतृत्व का मुद्दा अभी तक हल नहीं हुआ है। इस तरह की घोषणाएं कांग्रेस पार्टी के सीनियर नेताओं की ओर से होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''अगर नाना पटोले मुख्यमंत्री बन रहे हैं तो राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और सोनिया गांधी को इसकी घोषणा करनी चाहिए। नेतृत्व का कोई भी फैसला कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से आना चाहिए।''

बता दें कि MVA में नेतृत्व को लेकर तनाव कोई नई बात नहीं है। गठबंधन में महाराष्ट्र चुनाव से पहले सीटों के बंटवारे को लेकर जमकर खींचतान हुई थी। लंबी चर्चा के बाद शिवसेना (उद्धव ठाकरे, कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार) के बीच समझौता हुआ था। चुनाव में जीत मिलने के बाद सरकार का नेतृत्व कौन करेगा? यह सवाल अभी भी अनसुलझा है।

महाराष्ट्र में विधानसभा की 288 सीटें हैं। बहुमत का आंकड़ा 145 है। MVA का मुकाबला सत्ताधारी गठबंधन महायुति से हुआ है। इसमें भाजपा, शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) और एनसीपी (अजीत पवार) शामिल हैं।

## पालघर में एक फैक्टरी में लगी भीषण आग

**पालघर :** पालघर जिले में महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) के तारापुर के पास एक फैक्ट्री में गुरुवार सुबह भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। फिलहाल, दमकल अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। मौके से मिले दृश्यों में फैक्ट्री से धुएं का गुबार उठता दिख रहा है। इस घटना में अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

## 400 ट्रांसजेंडरों ने मतदान केंद्र पर अपनी नेता नीता केने के कथित अपमान के विरोध में मतदान का बहिष्कार किया

**मुंबई :** ठाणे कल्याण पूर्व के करीब 400 ट्रांसजेंडरों ने मतदान केंद्र पर अपनी नेता नीता केने के कथित अपमान के विरोध में मतदान का बहिष्कार किया। रीढ़ की हड्डी में चोट लगने के कारण केने को उनके रिक्शा से बूथ में प्रवेश करने से मना कर दिया गया और कथित तौर पर कहा गया, ''अगर आप रिक्शा लेकर अंदर जाना चाहते हैं तो मतदान न करें।'' आक्रोशित ट्रांसजेंडर समुदाय मतदान केंद्र 142 के पास इकट्ठा हो गया और सड़क जाम कर दी तथा अपने नेता के सम्मान की मांग की।

कल्याण में 400 ट्रांसजेंडरों ने मतदान का बहिष्कार किया पुलिस उपायुक्त अतुल जेंडे ने नागरिक और चुनाव आयोग के अधिकारियों के साथ मिलकर

मध्यस्थता करने के लिए घटनास्थल का दौरा किया। बाद में, वे केने के घर भी गए और उनसे व्यक्तिगत रूप से मतदान करने का अनुरोध किया। अंत में, शाम को केने ने अपने समुदाय के 150 सदस्यों के साथ मतदान किया। अपनी निराशा व्यक्त करते हुए, नीता केने ने कहा, ''मैं पिछले कुछ वर्षों से रीढ़ की हड्डी में चोट के बावजूद हर चुनाव में मतदान करती रही हूँ। रिक्शा के साथ प्रवेश से मना करना समझ में आता है, लेकिन जिस तरह से एक महिला पुलिस कांस्टेबल और एक पुरुष अधिकारी ने हमसे बात की, वह बेहद अपमानजनक था। हमारे मतदान से वास्तव में किसे लाभ होता है? समाज को, हमें नहीं। अगर वे मेरे साथ ऐसा व्यवहार करते हैं, तो वे हमारे समुदाय के अन्य लोगों के साथ कैसा व्यवहार करेंगे?''

## संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

# प्रदूषण 'राष्ट्रीय शर्म' है...

**राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के जानलेवा प्रदूषण और सरकारों के कामकाज को अब 'राष्ट्रीय शर्म' घोषित कर देना चाहिए। इसके अलावा विकल्प भी क्या है? जिस समय सर्वोच्च अदालत के 'कोर्ट रूम' में प्रदूषण पर सुनवाई चल रही थी, उस समय वहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक 994 था। वह 'बेहद गंभीर' श्रेणी का प्रदूषण था। दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता 978 भी दर्ज की गई। ऐसे प्रदूषण में जीना भी 'राष्ट्रीय शर्मिन्दगी' है। सर्वोच्च अदालत का वह विशेष और संवेदनशील कक्ष होता है, जहां की हवा 'गैस चैंबर' के हालात को भी लांघ गई थी। यह शर्मनाक स्थिति नहीं है, तो और क्या है? राजधानी दिल्ली की 'प्रदूषित हवा' का औसत सूचकांक 500 को पार कर चुका है। अब एक दिन ऐसा आएगा, जब सडकों पर 'मास्कधारी आबादी' ही दिखाई देगी, लिहाजा अब सर्वोच्च अदालत की फटकार ही पर्याप्त नहीं है।**

**अब सर्वोच्च अदालत सरकारों से सवाल न करे, बल्कि राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मुख्य सचिवों को 'प्रतीकात्मक जेल' की सजा सुनाए। प्रदूषण सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक ही सीमित नहीं है। यहां तो 'गैस चैंबर' से भी बदतर हालात हैं। अस्पतालों में मरीजों की संख्या 30-35 फीसदी बढ़ गई है। सांसें टूट रही हैं। दिल का दौरा पड़ा है। अस्थमा, दमा का अटैक पड़ा है। लोग बुरी तरह खांस रहे हैं। मस्तिष्क पर भी प्रभाव पड़ा है, लिहाजा ऐसे मरीज भी अस्पताल तक दौड़ रहे हैं। आम दृश्यता धुंध में कहीं खो गई है, लिहाजा 100 से अधिक विमान देरी से उड़े, 15 को अन्य राज्यों की ओर मोड़ा गया और कुछ उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। यह कोई आपातकाल या संक्रमण काल नहीं है, रोजमर्रा की जिंदगी पर प्रदूषण का प्रभाव है। प्रदूषण से 22 लाख लोग सालाना मर जाते हैं। करीब 90 करोड़ भारतीय 'गंभीरतम प्रदूषण' में सांस लेने को विवश हैं। वे भी हरेक सांस के साथ अकाल मृत्यु की तरफ बढ़ रहे हैं। पर्यावरण में इतना धुआं औसत आदमी एक दिन में 49.2 सिगरेट पीने के समान निगलने को विवश है। हरियाणा में यह औसत 33.25 सिगरेट के धुएं के बराबर है। उप्र और बिहार में प्रतिदिन लोग औसतन 10 सिगरेट पीने को मजबूर हैं। आदमी के दिल, फेफड़े और गुर्दे कब तक साथ देंगे? आम आदमी की उम्र औसतन 8 साल घट रही है। हम लोग छोटे, बौने, निहित स्वार्थ के मुद्दों पर साल भर में औसतन एक लाख से अधिक आंदोलन करने के आदी हैं।**

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

# 55 लाख से अधिक कीमत की एमडी ड्रग्स के साथ नाइजीरियाई और एक भारतीय नालासोपारा से गिरफ्तार

**नालासोपारा :** सूरत क्राइम ब्रांच ने 55 लाख से अधिक कीमत की एमडी ड्रग्स के साथ नाइजीरियाई नागरिक और एक भारतीय को मुंबई के नालासोपारा से गिरफ्तार किया है. इनमें एक फिल्मों में कैमरामैन का भी काम करता था. इससे पहले 16 नवंबर को तीन अन्य आरोपियों को सूरत के कपलेथा चेक पोस्ट से गिरफ्तार किया गया था.

सूरत क्राइम ब्रांच ने ड्रग्स तस्करी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई के नालासोपारा से नाइजीरियाई नागरिक सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है. इनके पास से 55 लाख रुपये की एमडी ड्रग्स बरामद हुई. इससे पहले 16 नवंबर को क्राइम ब्रांच ने सूरत के कपलेथा चेक पोस्ट से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जिनकी निशानदेही पर यह कार्रवाई की गई. पुलिस अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े तारों की जांच में जुटी है.

सूरत क्राइम ब्रांच की गिरफ्त में आए तीन आरोपियों में एक का नाम इरफान खान मोहम्मद खान पठान तो दूसरे का नाम मोहम्मद तौसीफ मोहम्मद रफीक शाह है. वहीं तीसरा आरोपी अशफाक इरशाद कुरैशी है. यह तीन लोग मुंबई से होंडा सिटी कार में सवार होकर के सूरत आ रहे थे. सूरत क्राइम ब्रांच ने कपलेथा चेक पोस्ट के पास से इन्हें गिरफ्तार किया था.

क्राइम ब्रांच ने ड्रग्स मामले में फरार आरोपी अजय ठाकुर और मूलतः नाइजीरिया के रहने वाले डेविड ऊंचे प्रिंस को भी गिरफ्तार किया है. नाइजीरियाई नागरिक डेविड ऊंचे पहले भी धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार हो चुका है और चार साल जेल में भी रह चुका है. सूरत क्राइम ब्रांच के डीसीपी भावेश रोजिया ने बताया कि क्राइम ब्रांच ने जिन तीन लोगों को पकड़ा था, उनसे पूछताछ की गई तो दो और आरोपियों के नाम सामने आए, जिन्हें मुंबई से गिरफ्तार किया गया. अब इनसे पूछताछ की जा रही है. साल 2015 में नाइजीरियाई व्यक्ति धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार हुआ था. नाइजीरियाई नागरिक पिछले 10 साल से भारत में रह रहा है. किस वीजा के आधार पर रह रहा है, इसका वेरीफाई करना अभी बाकी है. गिरफ्तार आरोपी अजय ठाकुर नालासोपारा एरिया में रेंट कलेक्ट करने का काम करता है.

# शिंदे गुट के प्रत्याशी की करतूत...

## जीत के लिए काले जादू का सहारा!

**मुंबई :** पुरानी कहावत है कि जंग और प्यार में सब कुछ जायज है, लेकिन इस बार विधानसभा चुनाव में काले जादू का प्रयोग किया गया। इसका एक जीता जागता है उदाहरण रायगढ़ जिले के महाड विधानसभा क्षेत्र में देखने को मिला है। जहां मतदान प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही मतदान केंद्र के सामने तीन मटके, जिनके मुंह काले और लाल कपड़े से बंधे थे, उस पर काटे हुए नीबू और सिंदूर छिड़का हुआ मिला। सुबह-सुबह जब मतदाता मतदान के लिए निकले तो उसे देखकर अचंभित और भयभीत हो गए। माना जा रहा है कि यह काला जादू किसी प्रत्याशी की ओर से जीत हासिल करने के लिए किया गया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, इस काले जादू की शंका एकनाथ शिंदे गुट के प्रत्याशी भरत गोगावले पर जताई जा रही है। महाड के पास बिरवाड़ी शहर के मुख्य चौराहे पर एक सड़क के बीचोंबीच तीन मटके और नारियल रखे हुए मिले। इन मटकों का मुंह लाल और काले कपड़े से ढका हुआ था और नीचे नारियल और नींबू रखा गया था। इसे देखकर स्थानीय लोग इसे भानमती या जादू-टोने का मामला मान रहे थे। इस घटना से ग्रामवासियों के बीच डर और गुस्से का माहौल था। माना जा रहा है कि मतदान को प्रभावित करने के उद्देश्य से किसी ने इस प्रकार का जादू-टोना किया होगा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इन मटकों को हटाकर नष्ट कर दिया। ज्यादातर राजनीतिज्ञ और नेता अपने कर्म की बजाय ज्योतिष और कर्मकांड पर भरोसा करते हैं। ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, लेकिन इस बार विधानसभा चुनाव में यह खुलकर दिख रहा है। इस बार महाड विधानसभा क्षेत्र में शिंदे गुट के भरत गोगावले और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की स्नेहल जगताप के बीच लड़ाई है। भरत गोगावले शिंदे गुट के नेता और एसटी महामंडल के अध्यक्ष हैं, उन्होंने इस क्षेत्र से लगातार तीन बार जीत हासिल की है, लेकिन इस बार मतदाता उनसे पीछा छुड़ाते नजर आए।

# मुंबई : पश्चिम रेलवे में प्रतिदिन होते हैं करीब १२० एस्केलेटर बंद!

## बुजुर्ग, दिव्यांग और महिलाएं सीढ़ियां चढ़ने को मजबूर...

**मुंबई :** मुंबई की सेंट्रल रेलवे पर सफर करने वाले यात्रियों को एस्केलेटर बंद होने की समस्या से रोजाना जूझना पड़ता है। मुंबई उपनगरीय सेंट्रल रेलवे नेटवर्क में कुल ८४ स्टेशन हैं, जिनमें १५० से ज्यादा एस्केलेटर लगे हुए हैं। इसके बावजूद हर दिन औसतन १००-१२० मामलों में एस्केलेटर बंद होने की शिकायत दर्ज होती है। सेंट्रल रेलवे ने इस समस्या पर काबू पाने के लिए सिम आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम लगाया है। यह सिस्टम एस्केलेटर की स्थिति पर नजर रखता है। जैसे ही कोई एस्केलेटर बंद होता है, सिस्टम तुरंत एक मैसेज जनरेट करता है और निगरानी कार्यालय को इसकी जानकारी देता है। रेलवे के एक अधिकारी के अनुसार, कभी-कभी यह समस्या ५ मिनट के भीतर हल हो जाती है, लेकिन औसतन इसे ठीक होने में २३ मिनट लगते हैं। उन्होंने बताया कि कई बार एस्केलेटर यात्रियों की अधिक भीड़ के कारण बंद हो जाते हैं। इसके अलावा कुछ स्टेशनों पर कुली जानबूझकर स्टॉप बटन दबा देते हैं, जिससे एस्केलेटर काम करना बंद कर देता है।

यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाएं होनी चाहिए प्राथमिकता यात्रियों का कहना है कि यह समस्या खासतौर पर पीक आवर्स में और भी गंभीर हो जाती है। एस्केलेटर बंद होने के कारण बुजुर्गों, दिव्यांगों और महिलाओं को सीढ़ियां चढ़ने में मुश्किलें होती है। रेलवे अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि समस्या को जल्द से जल्द सुलझाने के लिए अतिरिक्त प्रयास किए जा रहे हैं। रेलवे का कहना है कि मॉनिटरिंग सिस्टम का दायरा बढ़ाया जा रहा है, ताकि एस्केलेटर की खराबी को तुरंत ठीक किया जा सके साथ ही यात्रियों से अपील की गई है कि एस्केलेटर का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करें और अनावश्यक रूप से स्टॉप बटन न दबाएं। सेंट्रल रेलवे की यह समस्या लाखों यात्रियों के लिए सिरदर्द बनी हुई है। ऐसे में रेलवे प्रशासन की कोशिशों पर यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि स्थिति में कितना सुधार होता है।

# भिवंडी रशनिंग कार्यालय परिसर के एक टैंपो से 56.6 लाख का प्रतिबंधित गुटखा जप्त !

**भिवंडी:** भिवंडी निजामपुर पुलिस गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्यवाई के दौरान भिवंडी रशनिंग कार्यालय के परिसर से एक टैंपो मे 56.6 लाख का प्रतिबंधित गुटखा जप्त किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से प्रतिबंधित गुटखा की तस्करी करने वालों में हड़कंप मच गया है। पुलिस व्दारा सोमवार को जानकारी दी कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि भिवंडी प्रांत कार्यालय के ठीक सामने रशनिंग कार्यालय के परिसर में प्रतिबंधित गुटखा पान मशाला एक टेंपो में भरा हुआ है।

भिवंडी निजामपुरा पुलिस देर ना करते हुए रशनिंग कार्यालय परिसर में जाकर टैपो चालक सहित 56.6 लाख रुपए कीमत का विभिन्न कंपनियों के प्रतिबंधित गुटखा व पान मशाला जप्त किया है। पुलिस के गहन पुछताछ के बाद इस व्यापार में तीन और अन्य लोंगों के जजुडे होने की जानकारी मिली है। पुलिस उन तीनों की तलाश कर रही है। भिवंडी निजामपुर पुलिस ने खाद्य वं औषधि प्रशासनिक विभाग के नीयमो के विभिन्न धाराओं केतहत मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जांच पुलिस कर रही है।

# महाराष्ट्र सरकार के 10% मराठा आरक्षण पर हाईकोर्ट ने उठाए सवाल?

## 50% आरक्षण की सीमा का उल्लंघन करने का औचित्य साबित करना होगा...

**मुंबईः** बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि मराठा समुदाय के पिछड़ेपन को दिखाने के अलावा, महाराष्ट्र सरकार को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में समुदाय को 10% आरक्षण देते हुए सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50% की सीमा का उल्लंघन करने का औचित्य साबित करना होगा। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और फिरदौस पूनीवाला की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने इस कदम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए राज्य से मराठा समुदाय को दिए गए अपने आरक्षण को उचित ठहराने को

कहा। सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति सुनील बी शुक्रे की अध्यक्षता वाले महाराष्ट्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट के आधार पर महाराष्ट्र विधानसभा ने 20 फरवरी को सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग श्रेणी के तहत समुदाय को 10% आरक्षण देने वाला कानून पारित किया था। राज्यपाल की अधिसूचना 26 फरवरी को जारी की गई थी। इस आदेश को चुनौती देने और समर्थन करने वाली कई याचिकाएँ दायर की गई थीं। राज्य के महाधिवक्ता बीरेंद्र सराफ ने कहा कि राज्य सरकार को ऐसे समुदाय को आरक्षण देने से कोई नहीं रोक सकता, जिसका पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है, और न केवल सामाजिक और शैक्षणिक रूप से। उन्होंने कहा कि राज्य ने जयश्री पाटिल मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विश्लेषण करने का ''प्रयास'' किया है, जिसके तहत शीर्ष अदालत ने 2018 में मराठा समुदाय को दिए गए आरक्षण को रद्द कर दिया था और ''त्रुटियों को दूर'' किया था।

# पुणे : पूर्व पुलिस अधिकारी रवींद्र पाटिल पर चुनाव में विदेशी मुद्रा का इस्तेमाल करने का आरोप...

**पुणे :** पूर्व पुलिस अधिकारी रवींद्र पाटिल पर चुनाव में विदेशी मुद्रा का इस्तेमाल करने और वित्तीय लेनदेन के लिए बिटकॉइन का इस्तेमाल करने का आरोप लगा है। साथ ही भाजपा सांसद, प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने भी मंगलवार रात एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कॉल रिकॉर्डिंग और व्हाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट जारी किए। सुप्रिया सुले और नाना पटोले की कथित आवाजों का एक ऑडियो क्लिप भी सामने आया। अब इस मामले में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। सुप्रिया सुले के कथित ऑडियो क्लिप में गौरव मेहता का जिक्र किया गया था। ईडी ने रायपुर में उनके घर पर छापा मारा है।

बताया जा रहा है कि 2018 में हुए क्रिप्टोकरेंसी घोटाले मामले की जांच के लिए छापेमारी की गई है। पूर्व

आईपीएस अधिकारी रवींद्र पाटिल ने कहा था कि गौरव मेहता 2018 के क्रिप्टोकरेंसी घोटाले का मुख्य आरोपी है। गौरव मेहता एक ऑडिट फर्म का कंसल्टेंट है और पुणे पुलिस 6,600 करोड़ के क्रिप्टोकरेंसी घोटाले के सिलसिले में उससे पूछताछ करने जा रही है। रविंद्र पाटिल ने दावा किया कि एनसीपी (शरद पवार) गुट की नेता सुप्रिया सुले और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने गौरव मेहता को फोन करके चुनाव कार्य के लिए क्रिप्टोकरेंसी घोटाले से पैसे मांगे थे। इस बीच, सुप्रिया सुले ने आज सुबह मतदान के बाद मीडिया से बात करते हुए इन आरोपों का जवाब दिया है। ''कल शाम को मुझे मीडिया के जरिए पता चला कि इस तरह के आरोप लगाए गए हैं। मेरे हाथ में वो वॉयस रिकॉर्डिंग आने के बाद सबसे पहले मैंने पुणे के पुलिस कमिश्नर यानी अमितेश कुमार को फोन किया।

मैंने उन्हें बताया कि कुछ फर्जी रिकॉर्डिंग चल रही हैं और मैं साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज कराना चाहती हूँ। उन्होंने कहा कि आपको शिकायत करनी चाहिए। मैंने कल शाम को ही ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है कि ये सभी रिकॉर्डिंग और मैसेज फर्जी हैं'', सुप्रिया सुले ने कहा। इस बीच, शरद पवार ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ''जो व्यक्ति कुछ महीनों से जेल में है, उसकी रिकॉर्डिंग कैसे की जा सकती है? मेरे हिसाब से इस पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है'', शरद पवार ने भी भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, ''यह इस बात का उदाहरण है कि भाजपा इस तरह के आरोप लगाकर किस हद तक गिर सकती है।'' इस बीच, सुप्रिया सुले ने भी कहा कि उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता के खिलाफ मानहानि का दावा किया है।

# सट्टा बाजार बनवा रहा किसकी सरकार

**मुंबई :** मुंबई और फलोदी सट्टा बाजार का अनुमान सामने आया है। मुंबई सट्टा बाजार का अनुमान है कि राज्य में एक बार फिर से महायुति यानी भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की सरकार बन सकती है। सटोरियों का मानना है कि राज्य में भाजपा 90 से 95 सीटें जीतकर सबसे बड़ा दल बन सकती है। वहीं एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 35 से 40 सीटें हासिल हो सकती हैं। अजित पवार की एनसीपी को 10 से 15 सीटों का अनुमान है। यहीं नहीं फलोदी सट्टा बाजार में भी महायुति को बढ़त दिखाई गई है। हालांकि यहां महा विकास अघाड़ी को भी अच्छी फाइट में दिखाया गया है।

फलोदी सट्टा बाजार का अनुमान सीएम पर भी लगाया गया है। भाजपा लीडर देवेंद्र फडणवीस पर 57 पैसा लगाया गया है। इस तरह माना जा सकता है कि सट्टा बाजार का मानता है कि राज्य का सीएम बनने की रेस में फडणवीस आगे चल रहे हैं।

# चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और झारखंड में करीब 1000 करोड़ का सामान किया जब्त

**मुंबई :** महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं और चुनाव आयोग ने इस बार कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है। आयोग की भरारी टीम ने दोनों राज्यों में छापेमारी कर भारी मात्रा में नकदी और अन्य सामान जब्त किया है। मतदाताओं को लुभाने के लिए ले जाई जा रही शराब, नकदी और अन्य कीमती सामान भरारी टीम ने जब्त किया है। चुनाव में पैसे का इस्तेमाल कर कुछ असामाजिक तत्व लोकतंत्र को कलंकित करने का काम कर रहे हैं। इस पर दबाव बनाने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है। इस हिसाब से आयोग ने करीब 1000 करोड़ का सामान जब्त किया है।

चुनाव आयोग ने बताया कि 1000 करोड़ रुपये में 858 करोड़ रुपये नकद शामिल हैं। 2019 में जब्त की गई राशि से इस बार सात गुना ज्यादा नकदी जब्त की गई है। साल 2019 में महाराष्ट्र विधानसभा में 103.61 करोड़ रुपये जब्त किए गए थे। झारखंड में 18.76 करोड़ रुपये जब्त किए गए थे। झारखंड में दूसरे चरण का

मतदान 20 नवंबर को हो रहा है। पहले चरण का मतदान 13 नवंबर को हुआ था। वहीं महाराष्ट्र में एक ही चरण में 20 नवंबर को मतदान हो रहा है। दोनों राज्यों के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। चुनाव आयोग ने आगे कहा कि महाराष्ट्र में लगभग सभी जिलों में नकदी जब्त की गई है। इस बार 2019 से ज्यादा है। हाल ही में पालघर जिले के वाडा पुलिस स्टेशन की सीमा में 3.70 करोड़ की नकदी जब्त की गई थी। इस बीच, बुलढाणा जिले के जामोद में 4500 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। जिसकी कीमत 4.51 करोड़ बताई जा रही है। रायगढ़ में 5.20 करोड़ रुपये के चांदी के बिस्कुट जब्त किए गए। चुनाव आयोग ने चुनाव में धन की शक्ति का उपयोग नहीं करने पर ध्यान केंद्रित किया था।

जिसके कारण इस बार जब्ती की मात्रा में वृद्धि हुई है, चुनाव बोर्ड ने कहा। मुख्य चुनाव अधिकारी राजीव कुमार ने कहा कि सभी अधिकारियों और निरीक्षकों को चुनाव प्रचार समाप्त होने के दो दिनों तक सख्त कदम उठाने का आदेश दिया गया था। कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सावधानी बरतें ताकि मतदाताओं को कोई प्रलोभन न दिया जाए।

# बॉम्बे हाई कोर्ट ने पति की गलत गिरफ्तारी के लिए विधवा को 1 लाख का मुआवजा देने का दिया आदेश...

**मुंबईः** बॉम्बे हाई कोर्ट ने हाल ही में महाराष्ट्र राज्य को रत्ना चंद्रकांत वन्नम को 2012 में उनके पति की गैरकानूनी गिरफ्तारी के लिए 1 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया। कोर्ट ने पुलिस के कदाचार और अधिकारियों को जवाबदेह ठहराने में विफलता के बारे में भी गंभीर चिंता जताई। जस्टिस भारती डांगरे और मंजूषा देशपांडे की पीठ ने पुलिस की गलत हरकतों के मामलों में अधिकारियों के ढीले रवैये की आलोचना की। पीठ ने कहा, ''हमने 14 अगस्त, 2013 के अपने आदेश में स्पष्ट शब्दों में अपनी पीड़ा व्यक्त की थी, विशेष रूप से यह दर्ज करके कि पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आरोपों को बहुत हल्के और लापरवाही से लिया जाता है और नागरिकों पर स्वाभाविक रूप से विश्वास नहीं किया जाता है। यह एक क्लासिक उदाहरण है।''

यह मामला सितंबर 2012 में हुई एक घटना से उपजा है जब वन्नम दंपत्ति बारिश में क्षतिग्रस्त हुए अपने सायन कोलीवाड़ा घर की मरम्मत कर रहे थे। उनके पड़ोसी जगदेवी भगोड़े ने कथित तौर पर 20,000 रुपये की मांग की और इनकार करने पर दंपत्ति पर अवैध निर्माण का आरोप

लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई।

जब वन्नम दंपत्ति उत्पीड़न की रिपोर्ट करने के लिए वडाला टीटी पुलिस स्टेशन गए, तो सहायक पुलिस निरीक्षक (एपीआई) तुकाराम जाधव ने उनकी शिकायत दर्ज करने से इनकार कर दिया। इसके बजाय, चंद्रकांत और पांच श्रमिकों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनकी रिहाई के लिए जुमार्ना मांगा गया। रत्ना ने आरोप लगाया कि जाधव ने मामले को बंद करने के लिए 10,000 रुपये मांगे और बाद में अपने पति की रिहाई के लिए 12,000 रुपये मांगे। जबकि वह अपनी रिहाई को सुरक्षित करने के लिए प्रति श्रमिक 1,200 रुपये का भुगतान करने में कामयाब रही, वह अपने पति के लिए तुरंत भुगतान नहीं कर सकी, जिसे बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया।

अदालत ने जाधव के कार्यों की आलोचना करते हुए कहा कि चंद्रकांत की गिरफ्तारी ''पूरी तरह से अनुचित'' थी। पीठ ने टिप्पणी की, ''भले ही यह मान लिया जाए कि गिरफ्तारी की शक्ति थी, लेकिन इससे पुलिस अधिकारी के लिए गिरफ्तारी करना अनिवार्य नहीं हो जाता,'' उन्होंने कहा कि वैकल्पिक उपायों की तलाश की जानी चाहिए थी। न्यायाधीश जाधव के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की विशेष रूप से आलोचना कर रहे थे, जिसमें शक्ति के दुरुपयोग को संबोधित करने के बजाय हलफनामा दायर करने में विफल रहने के लिए केवल 2,000 रुपये का जुमार्ना लगाया गया था। अदालत ने रेखांकित किया, ''हम प्रतिवादी अधिकारियों के दृष्टिकोण से आश्चर्यचकित हैं... कदाचार को संबोधित करने के बजाय, जांच केवल जाधव द्वारा हलफनामा दायर करने में विफलता पर केंद्रित थी।''

## नायगांव पुलिस ने लापरवाही बरतने को लेकर दो लोगों पर दर्ज किया केस

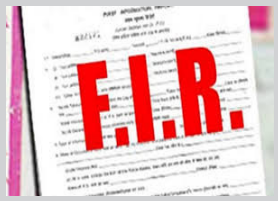


**नायगांव :** नायगांव पुलिस ने एक शख्स की मौत और एक जख्मी होने वाले शख्स के मामले में 19 नवंबर को जमीन मालिक और ठेकेदार के ऊपर विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, 5 नवंबर को, सुबह लगभग 9.45 बजे, जब हबीब के स्वामित्व वाले सासुपाड़ा ससुपाडा सर्वे नं. 174/1 नायगांव पूर्व में एक गोदाम का निर्माण चल रहा था। मुसरदिर शेख छत पर छत का पत्रा लगाने के लिए सीढ़ी पर चढ़ रहा था, जब वे सीढ़ी से नीचे उतर रहे थे, तो फिरोजुद्दीन शेख जमीन पर गिर गया, दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए और उनका ऑर्बिट अस्प ताल में इलाज चल रहा था। लेकिन, 5 नवंबर शाम को 6:28 बजे मुसरदिर शेख की इलाज के दौरान मौत हो गई।

# मुंबई : तीन लेयर में ईवीएम मशीन की सुरक्षा

## केंद्रीय सुरक्षा बल की रहेगी तैनात, सीसीटीवी से होगी निगरानी

**मुंबई।** महाराष्ट्र में 288 सीटों के लिए मतदान बुधवार को संपन्न हुआ। पूरे मुंबई समेत महाराष्ट्र में चुनाव शांति से निपट गया। चुनावी सुरक्षा के लिए मुंबई में लगभग 33 हजार अधिकारी और कर्मचारी लगाए गए हैं। पूरे महा- राष्ट्र में दो लाख से भी अधिक पु लिसकर्मी सुरक्षा के लिए तैनात थे। किसी भी प्रकार की बाधा निर्माण न हो इसलिए सभी जगह पर कर्मचारी तैनात हैं। मुंबई के स्ट्रांग रूम में रखे ईवीएम की सुरक्षा केंद्रीय बल करेगा जो ग्राउंड जीरो पर मौजूद रहेगा। इसके बाद एक और एजेंसी होगी जो कॉरिडोर में तैनात रहेगी। मुंबई पुलिस की टीम इन स्ट्रांग रूम को बाहर

की तरफ सुरक्षा प्रदान करेगी। महाराष्ट्र में चुनाव को शांतिपूर्ण और खुले माहौल में संपन्न कराने के लिए महाराष्ट्र पुलिस बल, होम गार्ड बल, नागरिक सुरक्षा बल, केंद्रीय सश- स्त्र पुलिस बल, राज्य सशस्त्र पुलिस बल, राज्य रिजर्व पुलिस बल को बल को तैनात किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि ईवीएम उच्च सुरक्षा की क्षमता वाली मशीन है। ईवीएम भारत में एक फुलप्रूफ प्रणाली है। इंजीनियर मतदान से पहले प्रथम स्तर की जांच करते हैं। यह गतिविधि सभी राजनी- तिक दलों के सामने की जाती है। फिर रैंडमाइजेशन होता है। इसके बाद कि, ईवीएम को विधानसभा क्षेत्र को दिया जाता है, इसकी कमीशनिंग पार्टी प्रति- निधियों के सामने होती है और फिर इसे सील कर दिया जाता है, तीसरे रैंडमा- इजेशन में यह तय किया जाता है कि कौन सी ईवीएम किस मतदान केंद्र और चुनाव आयोग के प्रतिनिधियों और उम्मीदवारों के पास जाएगी।

## डोंबिवली में फर्जी मतदान ...

**मुंबई :** मुंबई डोंबिवली ईस्ट निवासी शुभांगी जोशी, 55, जब मतदान केंद्र संख्या 49 पर अपना वोट डालने गईं, जहां वे मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं, तो उन्हें बताया गया कि उनके नाम पर किसी और ने पहले ही वोट डाल दिया है। डोंबिवली में फर्जी मतदान के आरोप ''मैंने फर्जी मतदान के बारे में सुना है, लेकिन यह पहली बार है जब मैंने खुद इसका अनुभव किया है,'' जोशी ने कहा, यह सोचकर हैरान कि किसी और ने उनकी ओर से कैसे वोट दिया, जबकि मतदाता दस्तावेजों और सूचियों को कई अधिकारियों द्वारा सत्यापित किया गया था।

# मुंबई/ ईडी द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग मामले में वांछित एक व्यक्ति को अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पकड़ा गया

**मुंबई :** आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि महाराष्ट्र में 'वोट के बदले नकदी' मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा वांछित एक व्यक्ति को अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पकड़ा गया है।

नागनी अकरम मोहम्मद शफी को ईडी द्वारा जारी एक लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) के आधार पर पड़ोसी गुजरात के हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने रोका। उन्होंने कहा कि वह दुबई भागने की कोशिश कर रहा था। केंद्रीय एजेंसी ने पिछले सप्ताह मालेगांव के एक व्यापारी सिराज अहमद

हारुन मेमन के खिलाफ दर्ज मामले में चुनावी राज्य महाराष्ट्र और गुजरात में छापेमारी की, जिसने कथित तौर पर 100 करोड़ रुपये से अधिक के लेनदेन को अंजाम देने के लिए विभिन्न लोगों के बैंक खातों का दुरुपयोग किया। 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए मतदान बुधवार को सुबह 7 बजे शुरू हुआ और शाम 6 बजे तक चलेगा। मनी लॉन्ड्रिंग का मामला 7 नवंबर को मालेगांव पुलिस द्वारा मेमन, जो एक चाय और कोल्ड ड्रिंक एजेंसी चलाता है, और उसके कुछ सहयोगियों के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर से जुड़ा है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com